GS-IV
10

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2906)

Name of Candidate	Sukh Ram		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	370763
Center	Jaipur	Date	31/08/2024

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बारह प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

VisionIAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

VisionIAS

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड A / SECTION A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) भारत में औपचारिक शिक्षा परिवार-आधारित शिक्षा के पूर्वाग्रहों का प्रतिकार करने के साथ-साथ स्वतंत्र सोच को कैसे बढ़ावा दे सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can formal education in India counteract family-dependent learning biases and promote independent thinking? (Answer in 150 words) 10

किसी भी व्यक्ति की प्रथम पाठशाला परिवार होती है तथा परिवार के मूल्यों के अनुरूप व्यक्ति में पूर्वाग्रह शामिल होते है।

जैसे किसी बच्चे का किसी जाति/धर्म विशेष के प्रति पूर्वाग्रह

परिवार आधारित शिक्षा के पूर्वाग्रह: औपचारिक शिक्षा

1) औपचारिक शिक्षा तथ्यों पर आधारित होती है जो पूर्वाग्रहों को नकारती है

2) यह किसी विषय (object) के प्रति तार्किक विश्लेषण करती है जिससे समझना

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अधिक स्वीकार्य होता है।

③ अनौपचारिक शिक्षा रिजल्ट ऑरिएन्टेड होती है

④ यह सभी इकाइयों के प्रति तकनीकीगत निष्पक्षता को धारण करती है।

ऑपचारिक शिक्षा: स्वतंत्र सोच

① इससे व्यक्ति अपने पूर्वाग्रहों से काफी हद तक मुक्त हो जाता है।

② व्यक्ति में तार्किकता आने से वह तथ्यों के आधार किसी वस्तु को जज करेगा।

③ इससे व्यक्ति के मूल्यों व अभिवृत्ति में भी बदलाव आ सकता है eg. इंडक्शन विधि द्वारा औपचारिक शिक्षा।

अतः पूर्वाग्रह मुक्त समाज तथा व्यक्ति के निर्माण की दिशा में औपचारिक शिक्षा महत्वपूर्ण है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) कार्य परिवेश में व्हिसलब्लोइंग के नैतिक निहितार्थों का परीक्षण कीजिए। प्रतिशोध के भय के बिना नैतिक रिपोर्टिंग का समर्थन करने वाली संस्कृति कैसे विकसित की जा सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Examine the ethical implications of whistleblowing in a work environment. How can a culture be developed that supports ethical reporting without fear of retribution? (Answer in 150 words) 10

व्हिसलब्लोइंग से तात्पर्य किसी अवैध, अनैतिक, भ्रष्ट प्रथा का उजागर करने से है।

कार्य परिवेश में व्हिसलब्लोइंग के नैतिक निहितार्थ:

① भ्रष्टाचार में कमी - इससे बल प्रयोग व मिली भगत जो भ्रष्टाचार में कमी आ सकती है। - 2nd ARC

② अनुशासनात्मक परिवेश का निर्माण जो उत्पादकता को बढ़ा सकता है।

③ अनैतिक प्रथाओं यथा मानवीय गरिमा का विघटन आदि की प्रवृत्ति कम हो सकती है।

④ मूल्यों से प्रेरित परिवेश - व्हिसलब्लोइंग से

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्य परिवेश में समानता, योग्यता आधारित प्रमोशन, समान वेतन जैसे मूल्य समाहित हो सकते हैं

क. व्हिसलब्लोइंग की बेहतर कार्य संस्कृति के लिए:

① अनामिता के सिद्धांत के आधार पर इसकी व्यवस्था हो।

② निजता की रक्षा किसी के लिए अनिवार्य प्रविधान हो।

③ वर्क एथिक्स - ताकि उसे खतरा महसूस न हो।

④ कोड ऑफ कंडक्ट व कोड ऑफ एथिक्स में पर्याप्त मार्ग हो।

⑤ मीडिया व औचक निरीक्षण आदि।

अतः नीतिपरक कार्य संस्कृति व अनामिता के मूल्यों के साथ व्हिसलब्लोइंग को मजबूत किया जा सकता है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) आचरण संबंधी नियम किस सीमा तक भारत में सिविल सेवाओं के अंतर्गत नैतिक आचरण को सुनिश्चित करने में सक्षम हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How far have the conduct rules been able to ensure ethical conduct in civil services in India? (Answer in 150 words) 10

आचरण संबंधी नियम सिविल सेवक को विभिन्न परिस्थितियों में डूज (does) एंड डॉंट (Don't) के संदर्भ में निर्देशित करते हैं।

Eg. केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली 1964 - सिविल सेवक 'अनामिता' के साथ कार्य करेगा।

आचरण संबंधी नियम : सिविल सेवकों में नैतिक आचरण

- नियमों के कारण एक सिविल सेवक सरकार की आलोचना नहीं कर सकता।
- एक सिविल सेवक निश्चित समय में कर्तव्य निर्वहन करेगा।
- इससे सिविल सेवक 'वर्क इथिक्स' का पालन करता है।
- इससे सिविल सेवक आमजन से उपहार आदि लेने से प्रतिबंधित होता है जो भ्रष्टाचार को रोकती है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सक्षमता :-

~~सिविलि~~ सिविल सेवकों में :-

- → गरीबों के प्रति उत्तरदायित्व
- → निर्णयों के प्रति जवाबदेही
- → प्रशासन में पारदर्शिता
- → कार्य में अनामिता आदि सुनिश्चित

हुई है।

Eg. IAS प्रेम प्रकाश : 'न्याय आपके द्वार' पहल

Eg. IAS चौथी जाली : सिविल सेवा के प्रति समर्पण

IAS निशांत जैन - मिशन संवाद

हालांकि

- → सिविल सेवकों में बढ़ता भ्रष्टाचार
- → सोशल मीडिया पर सक्रियता
- → प्रशासनिक मूल्यों की अपेक्षा
- → स्वार्थों में तल्लीनता चिंता भी

पैदा करते हैं

अतः सशक्त कोड ऑफ एथिक्स जिसकी सिफारिश 2nd ARC ने भी थी लाई जाये ताकि जनकल्याणकारी सिविल सेवा की ओर मजबूती से आगे बढ़ा जा सके।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) सूचना तक पहुंच एक सार्वजनिक अधिकार है। इस संदर्भ में, सरकार द्वारा सूचना साझाकरण को मार्गदर्शित करने वाले प्रमुख सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Access to information is a public right. In this context, bring out the key principles which should guide information sharing by the government. (Answer in 150 words) 10

भारत में सूचना प्राप्त करने के अधिकार को संविधान में अनुच्छेद 19(1)(a) में एक प्रत्याभूत मौलिक अधिकार के रूप में एवं सूचना का अधिकार अधि. 2005 के तहत विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया है।

सरकार द्वारा सूचना साझाकरण: सिद्धांत

① जनता के प्रति जवाबदेहता - सरकार के पास करदाताओं की राशि होती है इसलिए जन के प्रति जवाबदेह है। e.g. e-ग्राम स्वराज पोर्टल

② उत्तरदायित्वशीलता - RTI अधि. 2005 की धारा 2(h) के आधार पर लोक प्राधिकरण का दायित्व है कि वह सूचना साझा करें।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ पारदर्शिता - जनता का जानने का अधिकार है कि धन का व्यय किस रूप से किया जा रहा है। Eg राजस्थान - जनसूचना पोर्टल

④ लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा - इसके अनुसार राज्य जनता के साथ परामर्श-सहयोग से नीतियाँ बनाएगा।

Eg. mygov.in, किसी विधि का ड्रॉफ्ट पब्लिक डोमेन में रखती है।

⑤ राज्य की संवैधानिक बाध्यता जिसके आधार पर राज्य का दायित्व है कि वह जनता की आकांक्षाओं व इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करे।

अतः सूचना साझाकरण की प्रणाली संवैधानिक रूप देकर इसे अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निम्नलिखित उद्धरण वर्तमान संदर्भ में आपको क्या संदेश देते हैं?

What does the following quotation convey to you in the present context.

3. (a) "सापेक्षता भौतिकी पर लागू होती है, नैतिकता पर नहीं" - अल्बर्ट आइंस्टीन (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Relativity applies to physics, not ethics" - Albert Einstein (Answer in 150 words)10

नैतिकता कुछ मूल्यों का समुच्चय है जिसके आधार पर किसी मानवीय कृत्य को सही-गलत, उचित-अनुचित ठहराया जा सकता है।

यद्यपि वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंसटीन के अनुसार किसी कृत्य के सापेक्ष परिणाम उत्पन्न हो ही यह आवश्यक नहीं है क्योंकि नैतिकता एक विविध व ओपन फील्ड है जबकि भौतिकी में प्रत्येक कण का द्रव्यमान है –

1) नैतिकता में कुछ चीजें निरपेक्ष रूप से सत्य होती है एवं वे सार्वभौमिक प्रकृति की होती है जैसे- न्याय, प्रेम आदि।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② नैतिकता एक वृहत क्षेत्र है जिसमें नैतिकता के प्रतिमान → अच्छाई
→ भलाई
→ कॉमन गुड
→ सदाचार
→ वर्क एथीक्स आदि हो सकते हैं।

③ नैतिकी की तुलना नैतिकता प्रामाणिक व्याख्याओं पर आधारित नहीं होती क्योंकि नैतिकता का आधार व्यक्ति - समाज व इसके मूल्य है जो व्यक्ति से व्यक्ति, समाज से समाज अलग हो सकते हैं।

eg भारतीय समाज - माँस, शराब के प्रति -ve वहीं पश्चिमी समाज में यह कॉमन है

अतः यह माना जा सकता है कि सापेक्षता का अनुसरण नैतिकता में पूर्णतया संभव नहीं है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) "कानून जनता की अंतरात्मा है" - थॉमस हॉब्स (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The law is the public conscience"- Thomas Hobbes (Answer in 150 words) 10

संत थॉमस एक्वीनास के अनुसार कानून कुछ नियमों का समुच्चय होता है जिसे समुदाय की भलाई के लिए निर्मित किया जाता है।

Eg. भारतीय न्याय संहिता 2023.

कानून जनता की अंतरात्मा है :-

① कोई भी कानून जनता की आकांक्षाओं व इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करता है।

Eg. पर्यावरण संरक्षण अधि. 1986

② किसी भी कानून का निर्माता समाज का सदस्य होता है अतः समाज के व्यक्ति के रूप में उसके मूल्यों का सम्मिलन होता है

③ किसी भी विधि को उपयोगितावादी सिद्धांत

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अधिकतम लोगों का अधिकतम कल्याण के आधार पर निर्मित किया जाता है इसीलिए वह जन सुग्राह्य होता है।

(4) किसी भी कानून का दायरा व्यक्तियों तक सीमित होता है क्योंकि लोगों की अंतरात्मा के बाहर उसकी अनुपालना अपेक्षित भी नहीं है।

(5) कानून को बनाने की प्रणाली लोकतांत्रिक व वाद-विवाद से संवाद की होती है जो आमजन की अंतरात्मा की आवाज को शामिल करती है।

अतः गाँधी, लूथर किंग, सिगमंड फ्रॉयड व विवेकानंद के अनुसार अन्तरात्मा के आधार पर निर्मित कानून ही सर्वप्रामाणिक व सर्व स्वीकार्य होता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (c) "हम महानता के सबसे करीब तब होते हैं, जब हम विनम्रता में महान होते हैं।" – रवीन्द्रनाथ टैगोर (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"We come nearest to the great when we are great in humility." – Rabindranath Tagore (Answer in 150 words) 10

विनम्रता एक मानवीय नैतिक गुण है जो दूसरो के विचारों, आदतों, सिद्धांतों व मान्यताओं को मान्यता प्रदान करता है एवं उनके प्रति विद्रोह का स्वर रखने के बजाय सहिष्णुता का स्वर अपनाता है।

रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार विनम्रता सशक्त माध्यम है जो महानता की ओर ले जाता है –

① विनम्रता के द्वारा हम अपने से भिन्न विचारों को सुनते हैं तो हमारी स्वयं की सामाजिक स्वीकृति बढ़ जाती है।

② विनम्रता द्वारा व्यक्ति अपने अहं का त्याग कर देता है जो उसके स्वयं के सुधार

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का मार्ग प्रशस्त करता है।

③ विनम्रता से व्यक्ति के भीतर सहनशीलता का गुण आ जाता है जो व्यक्ति को धीर, उदात्त बनाता है।

eg. महात्मा गांधी।

④ विनम्रता व्यक्ति को यह सिखाती है कि सब एक ही परम सत्ता के अधीन है जो समानता का मूल्य स्थापित करता है।

eg. गुरुनानक व मोहम्मद पैगम्बर

⑤ विनम्रता व्यक्ति को किसी भी व्यवस्था में समायोजित होने में मदद करती है जो उसके अस्तित्व के लिए आवश्यक है।

अतः विनम्रता के सर्वोच्च मूल्य को समाज, व्यक्ति में इनकलकेट किया जाये तो हम एक महान विश्व का निर्माण भी कर सकते है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता पुर्णतः एक अंतर्निहित गुण नहीं है, इसे समय के साथ विकसित और संवर्धित किया जा सकता है। क्या आप सहमत हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Emotional intelligence is not exclusively an inherent quality, it can be nurtured and augmented over time. Do you agree? (Answer in 150 words) 10

भावनात्मक बुद्धिमता किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं की भावनाओं को समझने व प्रबंधित करने के साथ दूसरों की भावनाओं को समझकर व प्रबंधित करके उनका समुचित प्रयोग करना है।

भावनात्मक बुद्धिमता : अन्तर्निहित गुण नहीं है

① जन्म के समय व्यक्ति कोरा कागज होता है।

② जन्म के समय सामान्यतः व्यक्ति भावना तटस्थ होता है।

③ बच्चे को परवरिश के माध्यम से सहृदयता या आनंदी भावना से परिपोषित किया जाता है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

EI: समय के साथ विकसित एवं संवर्द्धित

(1) सामान्यतः उम्र बढ़ने के साथ व्यक्ति में EI का विकास होता है।

(2) व्यक्ति को इंडक्शन विधि द्वारा अथवा प्रशिक्षण बनाया जा सकता है।

(3) कुछ पुरुषों में भावना की अतिरेकता भी होती है उसे कुछ उदाहरणों द्वारा संयमित किया जा सकता है।

(4) पुरुषों की तुलना में महिलाओं में भावनात्मक बुद्धिमत्ता अधिक होती है इसीलिए सह-कार्य पद्धति से पुरुषों में समावेशन व संवर्द्धन होता है।

अतः EI एक स्थायी गुणवत्ता है जिसे हम समय के अनुसार विकसित व संवर्द्धित कर सकते है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) अभिवृत्ति के निर्धारक तत्व क्या हैं? अनुनय से अभिवृत्ति में किस प्रकार परिवर्तन किया जा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the determinants of attitude? How can attitude be modified with persuasion? (Answer in 150 words) 10

अभिवृत्ति से तात्पर्य किसी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति सकारात्मक, नकारात्मक, तटस्थ दृष्टिकोण का होना है।

Eg. बच्चे का कुत्तों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण अर्थात् कुत्तों के प्रति अभिवृत्ति है।

अभिवृत्ति के निर्धारक तत्व

① परिवार व समाज - प्रारंभिक अभिवृत्ति के निर्माण में इनका अप्रतिम योगदान है यदि समाज धार्मिक सहिष्णुता को हिमायती है तो बच्चा भी धर्मनिष्ठता वाली अभिवृत्ति से पूर्ण होगा।

② पत्र-पत्रिकाएँ - आतंकियों की निंदा, सज्जनों

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रशंसा व्यक्ति / बच्चे में उनके सापेक्ष अभिवृत्ति निर्मित करती है।

③ पीयर ग्रुप ④ विद्यालय ⑤ सोशलमीडिया

⑥ प्रेरक तत्व - नेता / प्रशासक / अभिनेता / खिलाड़ी

अभिवृत्ति में परिवर्तन : अनुनय

① बच्चे की प्रेरणा के माध्यम से दृष्टिकोण में बदलाव की कोशिश की जा सकती है

② सामाजिक प्रभाव - जो हम अनुनय से यह सिद्ध कर सकते हैं कि इस अभिवृत्ति के क्या नकारात्मक निहितार्थ हो सकते हैं

③ अनुनय में हम संतुलनकारी एप्रोच को समाविष्ट कर उसके सत्परिणाम दिखा सकते हैं

अतः एक सीमा तक अनुनय के माध्यम से अभिवृत्ति को बदला जा सकता है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) क्या युद्ध नैतिक हो सकते हैं? अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Can war be ethical? Analyse in the context of international conflicts. (Answer in 150 words) 10

युद्ध एक निगेटिव ऑब्जेक्ट है तथा वह संभवत: उच्च स्तर की नैतिकता व बौद्धिकता का परिचय नहीं होता।

युद्ध: नैतिक नहीं हो सकते क्योंकि

① युद्ध से निर्दोष लोगों की जान जाती है

② इससे हथियारों की स्पर्धा प्रारंभ होती है जबकि विश्व गरीबी से जूझ रहा है

③ इससे हिंसा को बढ़ावा मिलता है जो 'अहिंसा परमो धर्म' के विपरीत है।

④ युद्ध से राष्ट्रों के मध्य घृणा पैदा होती है जो मानव विकास को बाधित कर मानव को रक्त पिपासु बनाती है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑤ युद्ध के माध्यम से अंतिम लक्ष्य अमन को हासिल नहीं किया जा सकता -
Eg भारत-पाक, भारत-चीन।

लेकिन कुछ अर्थों में युद्ध नैतिक हो सकते हैं

① जब छोटे युद्ध के माध्यम से बड़ा युद्ध टाला जा सकता हो।
→ परमाणु युद्ध

② जब अन्याय के विरुद्ध लड़ना अपरिहार्य हो गया हो।

③ जब मानवता की रक्षा के लिए युद्ध अंतिम विकल्प के रूप में विद्यमान हो।

फिर भी युद्ध कभी भी विजन, कमांड, अच्छी डिप्लोमेसी का परिचायक नहीं होता इसलिए इसे अनैतिक ही कहा जा सकता है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) कौटिल्य का 'अर्थशास्त्र' वर्तमान नेतृत्वकर्ताओं को नैतिक और प्रभावी शासन को अपनाने में कैसे मार्गदर्शित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can Kautilya's 'Arthashastra' guide today's leaders in attaining ethical and effective governance? (Answer in 150 words) 10

नैतिक शासन से अभिप्राय शासन प्रणाली में नैतिक मूल्यों यथा पारदर्शिता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण आदि के समावेशन से है।

कौटिल्य का अर्थशास्त्र : नैतिक व प्रभावी शासन

(1) अर्थशास्त्र भ्रष्टाचार का विरोध व भ्रष्ट व्यक्ति को शासन में शामिल करने से रोकता है

eg. 'नास्त्यपकारिणो गोप्ता इति कौटिल्यं'

(2) सर्वकल्याण की अभिवृद्धि - अर्थशास्त्र का मुख्य संदेश है कि नेतृत्वकर्ता हमेशा जनता की अपेक्षाओं व आवश्यकताओं की

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पूर्ति के लिए प्रयासरत रहेंगे।

(3) जनहित को सर्वोपरि

'प्रजा सुखे सुखं राज्ञः, प्रजानां च हिते हितम्'

(4) कौटिल्य का अर्थशास्त्र जवाबदेहिता के सिद्धांत को मान्यता प्रदान करता है एवं प्रत्येक सत्ताधीन व्यक्ति की जवाबदेही का प्रावधान करता है।

(5) अर्थशास्त्र में धन के दुरुपयोग को प्रतिबंधित किया गया है जो नेतृत्वकर्त्ता को राज्य निधि की मितव्ययिता का पाठ पढ़ाते हैं।

अतः कौटिल्य का अर्थशास्त्र व्यक्ति सहित नेतृत्वकर्ता के लिए एक नैतिक, आदर्श शासन की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) 'यूनिकॉर्न' बनने की चाहत ने कई स्टार्ट-अप्स को अच्छी व्यावसायिक पद्धतियों को त्यागने के लिए प्रेरित किया है। इस संदर्भ में, भारत में स्टार्ट-अप्स में कॉर्पोरेट गवर्नेंस से संबंधी मुद्दों की पहचान कीजिए। इन मुद्दों से निपटने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The desire to become a 'unicorn' has led to many start-ups abandoning good business practices. In this context, identify the corporate governance issues in start-ups in India. What measures can be taken to address them? (Answer in 150 words) 10

एक कंपनी जिन नियमों, विनियमों व प्रक्रियाओं के माध्यम से शासित होती है वह कॉर्पोरेट गवर्नेंस है।

भारत में कॉर्पोरेट गवर्नेंस संबंधी मुद्दे

① कुछ स्टार्टअप्स का अनैतिक, अवैधानिक गतिविधियों में संलग्न होना
- → कर चोरी
- → मनी लॉन्ड्रिंग
- → ड्रग तस्करी - डिलीवरी व कूरियर कंपनी स्टार्टअप्स

② कॉर्पोरेट एथिक्स की अनुपालना न किया जाना

③ कॉर्पोरेट में 'Compassionate Capitalism' की

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जगह केवल प्रोफिट मोटिव को बढ़ावा

(4) हितधारकों के हितों की अवहेलना

(4) इनसाइडर ट्रेडिंग (5) पर्यावरण का दोहन

मुद्दों से निपटने के लिए उपाय

(1) सुस्पष्ट कॉर्पोरेट गवर्नेंस संरचना स्थापित की जाए।

(2) कॉर्पोरेट्स में स्वविनियामक संस्था की स्थापना

(3) औचक थर्ड पार्टी ऑडिट अनिवार्य हो

(4) फैमिली बिजनेस को सीमित किया जाये।

(5) स्वतंत्र निदेशकों का चुनाव हो तथा कुल सदस्यों का 50% हो

अत: 2nd ARC, उदय कोटक पैनल, कुमार मंगलम बिरला समिति की अनुशंसाओं के आधार पर इसे मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) ईमानदारी (प्रोबिटी) और जनता के विश्वास के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए। ईमानदारी की कमी सरकारी संस्थानों में जनता के विश्वास को कैसे कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the relationship between probity and public trust. How can lack of probity erode public trust in government institutions? (Answer in 150 words) 10

प्रोबिटी दिक्-काल के प्रत्येक स्तर पर उच्चतर मूल्यों के साथ व्यवहार करने से है।

प्रोबिटी : जनता का विश्वास

① वस्तुतः किसी भी संस्था पर विश्वास ही उसकी 'अमूल्य निधि' होती है जो प्रोबिटी के माध्यम से स्थापित होता है।

② प्रोबिटी (शुचिता) युक्त प्रशासन सुनिश्चित

- नहीं करेगा
  - जनभागीदारी को प्रमोट करेगा
  - हितधारकों से परामर्श करेगा।
- ↳ जवाबदेह होगा
- ↳ पारदर्शी होगा
- ↳ निधियों का उचित व्यय
- ↳ योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ईमानदारी में कमी: संस्थाओं में विश्वास

① भ्रष्ट संस्था
- → संसाधनों का दुरुपयोग
- → पक्षपात & भेदभाव
- → सलेक्टिव एप्रोच द्वारा अपनों को फायदा

② सार्वजनिक निधियों के माध्यम से कुशासन तथा इससे प्रभावशीलता क्षीण होगी।

③ ईमानदारी की कमी से
- → प्रशासन अपारदर्शी होगा
- → मिथ्या सूचनाओं का संप्रेषण करेगा।
- → अनियोजित व्यय करेगा।

अतः प्रोबिटी का समावेशन अत्यंत आवश्यक है जो किसी भी संस्था के जन विश्वास को मजबूत करता है

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके उपरांत वाले प्रश्नों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप एक प्रोफेशनल डिग्री के स्नातक कोर्स में नामांकित अंतिम वर्ष के छात्र हैं। अंतिम सेमेस्टर पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में, आपको एक अत्यंत कठिन कोर्स में नामांकित होना था। दुर्भाग्य से, पाठ्यक्रम के मिड सेमेस्टर एग्जाम में आपका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था तथा इस कोर्स को उत्तीर्ण करने के लिए आपको फाइनल एग्जाम में बहुत अच्छे अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है। इस कोर्स में असफल होने पर आपकी डिग्री को एक अतिरिक्त सेमेस्टर के बाद प्रदान किया जाएगा। इस कोर्स को उत्तीर्ण नहीं करने से आपको एक बहुराष्ट्रीय कंपनी से प्राप्त होने वाली नौकरी की पेशकश भी खतरे में पड़ जाएगी, क्योंकि नौकरी की यह पेशकश डिग्री के सफल समापन पर निर्भर है। यह नौकरी आपके और आपके परिवार के कल्याण, विशेष रूप से आपकी शिक्षा के लिए आपके पिता द्वारा किए गए उल्लेखनीय बलिदानों और आपके परिवार की वर्तमान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए अत्यावश्यक है।

इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए, आपका एक घनिष्ठ मित्र आपको भरोसा दिलाता है कि वह आपको इस कोर्स को उत्तीर्ण करने में मदद कर सकता है। उसने बताया कि विश्वविद्यालय के पोर्टल पर कोर्स के दस्तावेज अपलोड करते समय व्याख्याता ने अनजाने में वह फाइल संलग्न कर दी जिसमें कोर्स के फाइनल एग्जाम के उत्तर शामिल थे। हालांकि व्याख्याता ने तुरंत अपनी त्रुटि सुधार ली और फाइल को वहां से हटा दिया, लेकिन आपके मित्र ने इसे सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया। जब आपने उससे पकड़े जाने की संभावना के बारे में पूछा, तो उसने आपको आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय की डिजिटल अवसंरचना के कारण व्याख्याता यह जांचने में सक्षम नहीं है कि फाइल डाउनलोड की गई थी अथवा नहीं। हालांकि, विश्वविद्यालय के नैतिक दिशा-निर्देश उन छात्रों को परीक्षा में बैठने से सख्ती से रोकते हैं, जिनके पास उत्तरों का अनधिकृत ज्ञान है, साथ ही, इनके उल्लंघन के लिए गंभीर दंड का भी प्रावधान किया गया है।

(a) यह देखते हुए कि यदि आप उत्तरों को प्राप्त करते हैं और फाइनल एग्जाम में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो कोर्स में नामांकित किसी भी अन्य छात्र को किसी भी तरह से नुकसान नहीं होगा, फिर भी आपको उत्तरों को प्राप्त करने से क्यों बचना चाहिए?

(b) आप जानते हैं कि आपके मित्र ने उत्तर देखे हैं, क्या आप उसकी रिपोर्ट व्याख्याता या विश्वविद्यालय के अधिकारियों को देंगे? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

You are a final-year undergraduate student enrolled in a professional degree. As part of the mandatory final semester curriculum, you had to enroll in a notoriously difficult course. Unfortunately, your performance in the mid-semester examination of the course was not satisfactory, and you need to attain a very good score in the final examination to pass the course. Failure in this course would defer the conferment of your degree for an additional semester. Not passing this course would also jeopardize the job offer you have received from a multinational company, as it is contingent upon successful completion of the degree. This job is crucial for you and your family's well-being, especially considering the significant sacrifices your father has made to support your education, and the current challenging conditions at home.

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Considering this situation, your close friend confides in you that he can help you pass the course. He reveals that the lecturer inadvertently attached the file that included the answers to the final examination of the course while uploading course documents on the University's portal. Although the lecturer promptly rectified his error and removed the file, your friend successfully managed to download it. When you asked him about the chance of getting caught, he assured you that the University's digital infrastructure does not provide the lecturer with the ability to check if the file was downloaded. However, the University's ethical guidelines strictly prohibit students from sitting for exams if they possess unauthorized knowledge of the answers, with severe penalties for violations.

(a) Given that no other student enrolled in the course will be harmed in any way even if you access the answers and perform well in the final exam, why should you refrain from accessing the answers?

(b) You are aware that your friend has seen the answers, will you report him to the lecturer or the University authorities? Justify your answer. (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केसस्टडी में निष्पक्षता, तटस्थता, मूल्य आधारित शिक्षा, जवाबदेहिता, नैतिकता जैसे मूल्यों के साथ ईमानदारी अपेक्षित है।

हितधारक
- विश्व विद्यालय
- मैं
- मेरा घनिष्ट मित्र
- व्याख्याता
- शिक्षण व्यवस्था
- परिवार
- ...

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) उत्तरों को प्राप्त करने से बचने का कारण :-

(i) प्रतिस्पर्धा आधारित शिक्षा का अवमूल्यन होगा।

(ii) इससे ईमानदारी जैसा नैतिक मूल्य क्षीण होगा।

(iii) जिनके पास उत्तर नहीं है वे परिणाम में पिछड़ सकते हैं एवं ऐसा अपेक्षित परिणाम मुझे संतुष्टि नहीं देगा।

(iv) यह उत्तरदायित्वशीलता के सिद्धांत से विपथन है।

(v) उत्तर लेने से मेरी कठोर परिश्रम करने का साहस न होने का तत्व उजागर करेगा।

(vi) यह मेरी अंतरात्मा के विरुद्ध होगा।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(vi) एथिक्स का गोल्डन नियम कि जो व्यवहार आप दूसरों के अपेक्षा रखते है वही दूसरों के साथ करें।

* मेरे मित्र की रिपोर्ट में विश्वविद्यालय या व्याख्याता को जरुर दूँगा

इस निर्णय के कारण व औचित्य

(1) मेरा मित्र किसी अन्य छात्र को यह उत्तर प्रदान कर सकता है

(2) विश्वविद्यालय की साख बनाये रखना केवल संस्था प्रशासन का जिम्मा नहीं है विद्यार्थी भी महत्वपूर्ण हितधारक है

(3) प्रतिस्पर्धा स्वस्थ व पारदर्शी आधारित हो इसीलिए आवश्यक है कि उत्तर की पीडीएफ मित्र से ले ली जाए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) ऐसी किसी भी अनैतिक प्रथा का हिस्सा रहना जो गुणवत्ता के साथ समझौता करती हो यह नीतिपरक आचार संहिता के विरुद्ध है।

(5) अनैतिक प्रथाओं के माध्यम से नौकरी हासिल करना कभी संतोष नहीं प्रदान कर सकती क्योंकि अंतरात्मा में द्वन्द उत्पन्न होगा।

(6) ऐसा करना इसलिए भी अपरिहार्य है ताकि परीक्षा प्रणाली की शुचिता कायम रखी जा सके।

अतः मूल्यों के खिलाफ जाकर किसी भी प्रकार की सफलता हासिल करना व्यक्ति को तनाव की ओर ले जाएगा इसलिए हमेशा नैतिक मार्ग का अनुसरण करना चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. भूषण एक बड़ी बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी में एक अनुभवी सेल्स रिप्रेजेन्टेटिव है। उसने पिछले कई वर्षों से वहां काम किया है और कंपनी के भीतर उसने घनिष्ठ मित्रता पूर्ण संबंध बना लिए हैं। भूषण, मनोज का अच्छा मित्र रहा है क्योंकि उन दोनों ने लगभग एक साथ कंपनी जॉइन की थी।

पिछले कुछ महीनों में, मनोज ने भूषण के साथ व्यक्तिगत स्तर पर स्वयं द्वारा सामना की जा रही कुछ वित्तीय चुनौतियों को साझा किया। भूषण ने एक सहायक मित्र बनने का पूरा प्रयास किया। मनोज ने भूषण को यह भी बताया था कि वह अपने परिवार की सहायता के लिए कुछ अतिरिक्त धन जुटाने हेतु काम में कुछ जोखिम भरे कदम उठा रहा है। हालांकि, उसने कभी भी पूरी तरह से खुलासा नहीं किया कि इनमें क्या शामिल था।

एक दिन अचानक, मनोज ने कंपनी छोड़ दी, जिससे भूषण हैरान और सशंकित हो गया। भूषण को मनोज के सेल्स क्षेत्रों को संभालने का काम सौंपा गया। इन क्षेत्रों में कार्य प्रारंभ करने के दौरान, उसे पता चला कि मनोज के कार्यों के परिणामस्वरूप कंपनी को कितनी आर्थिक क्षति हुई थी। सेल्स संबंधी लेन-देन और लेखांकन रिकॉर्ड का सावधानीपूर्वक परीक्षण करने से, भूषण को यह स्पष्ट हो गया कि मनोज कुछ धोखाधड़ी वाली गतिविधियों में शामिल था।

अपनी पिछली बातचीत के बारे में पुनः विचार करने पर, भूषण को एहसास हुआ कि मनोज की जल्दी धन प्राप्ति की अत्यधिक आवश्यकता ने संभवतः उसे इस तरह के व्यवहार में शामिल होने के लिए प्रेरित किया था। भूषण को जिम्मेदारी का एहसास हुआ और उसने खुद से सवाल किया कि क्या वह स्थिति को रोक सकता था। भूषण कंपनी को वह सब कुछ बताना चाहता है जो वह जानता है लेकिन उसे चिंता है कि ऐसा करने से मनोज के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जो पहले से ही काफी चुनौतियों से जूझ रहा था।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि मनोज के आचरण से कंपनी को कोई बड़ी वित्तीय क्षति नहीं हुई है। हालांकि, भूषण ने मनोज की कठिन परिस्थितियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी, लेकिन कंपनी के आंतरिक ऑडिट के दौरान यह मुद्दा सामने आने की संभावना भी विद्यमान है। इससे भूषण के वर्तमान रोजगार के साथ-साथ भविष्य की नौकरी की संभावनाओं पर भी खतरा पैदा हो जाएगा।

(a) भूषण के समक्ष विद्यमान नैतिक दुविधाएं कौन-सी हैं?

(b) भूषण के पास क्या विकल्प हैं? इनमें से प्रत्येक का उसके गुण और दोषों के साथ मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Bhushan is an experienced sales representative at a large multinational information technology company. He has worked there for the past many years and has developed strong friendships within the company. Bhushan has been good friends with Manoj since they joined the company around the same time.

Over the last few months, Manoj shared with Bhushan some of the financial challenges that he has been facing on a personal level. Bhushan did his best to be a supportive friend. Manoj had also informed Bhushan that he was taking some risky moves at work to come up with some extra money to support his family. However, he never fully disclosed what that entailed.

Unexpectedly, Manoj left the company, leaving Bhushan shocked and suspicious. Bhushan was assigned to take over Manoj's sales territories. During the transition, he discovered the extent of the financial harm that the company suffered as a result of Manoj's actions. Through careful examination of sales transactions and accounting records, it became evident to Bhushan that Manoj had engaged in some seemingly fraudulent activities.

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Reflecting on their past conversations, Bhushan realized that Manoj's desperate need for quick money had likely driven him to engage in such behaviour. Bhushan felt a sense of responsibility and questioned whether he could have prevented the situation. Bhushan wants to disclose all he knows to the company but he is worried that doing so might lead to serious consequences for Manoj, who was already dealing with significant challenges.

It is to be noted that Manoj's conduct did not cause a substantial financial loss to the company. Although Bhushan empathized with Manoj's difficult circumstances, there is a possibility that this issue may surface during an internal audit by the company. This would pose a threat to Bhushan's current employment as well as future job prospects.

(a) What are the ethical dilemmas that Bhushan faces?

(b) What options does Bhushan have? Evaluate each of these with their merits and demerits. (Answer in 250 words) 20

इस केस स्टडी में पारदर्शिता, संगठनात्मक हितों की पूर्णता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा की अपेक्षा है साथ ही दुविधा की स्थिति भी उपस्थित है।

VisionIAS

(a) भूषण के समक्ष नैतिक दुविधाएँ

1. पारदर्शिता बनाम गोपनीयता
2. मित्रता संबंधी हित बनाम सांगठनिक हित
3. व्यावसायिक नैतिकता बनाम अन्तर्वैयक्तिक नैतिकता
4. संवेदना, करुणा बनाम निष्पक्षता
5. स्वहित बनाम मनोज के हित

(b) भूषण के पास विकल्प

1. भूषण मनोज के दुष्कार्यों को उजागर न होने देने का प्रयास करें।

गुण
→ मनोज पर कार्रवाई नहीं होगी
→ मित्रता बनी रहेगी
→ कंपनी को कोई बड़ा वित्तीय घाटा नहीं हुआ है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

दोष
→ सांगठनिक मूल्यों से समझौता
→ कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन
→ भूषण पर भविष्य में कार्रवाई व जॉब पर खतरा

② भूषण मनोज के कार्यों से हुई हानि को भरपाई करने का प्रयास स्वयं वहन करे तथा मनोज से भी सहायता ले।

गुण
→ इससे मित्रता जारी रहेगी
→ कंपनी के नुकसान की क्षति कुछ हद तक हो पाएगी
→ शायद भूषण की जॉब पर खतरा न होगा

दोष
→ आंतरिक ऑडिट में यह कभी भी उजागर हो सकता है
→ इससे भूषण अनैतिक प्रथा का समर्थक होगा
→ मनोज के साथ भूषण पर भी कार्रवाई

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) भूषण कंपनी को मनोज की क्रिया से अवगत कराए और आगे भी कॉर्पोरेट गवर्नेंस की प्रक्रिया का हिस्सा बनें

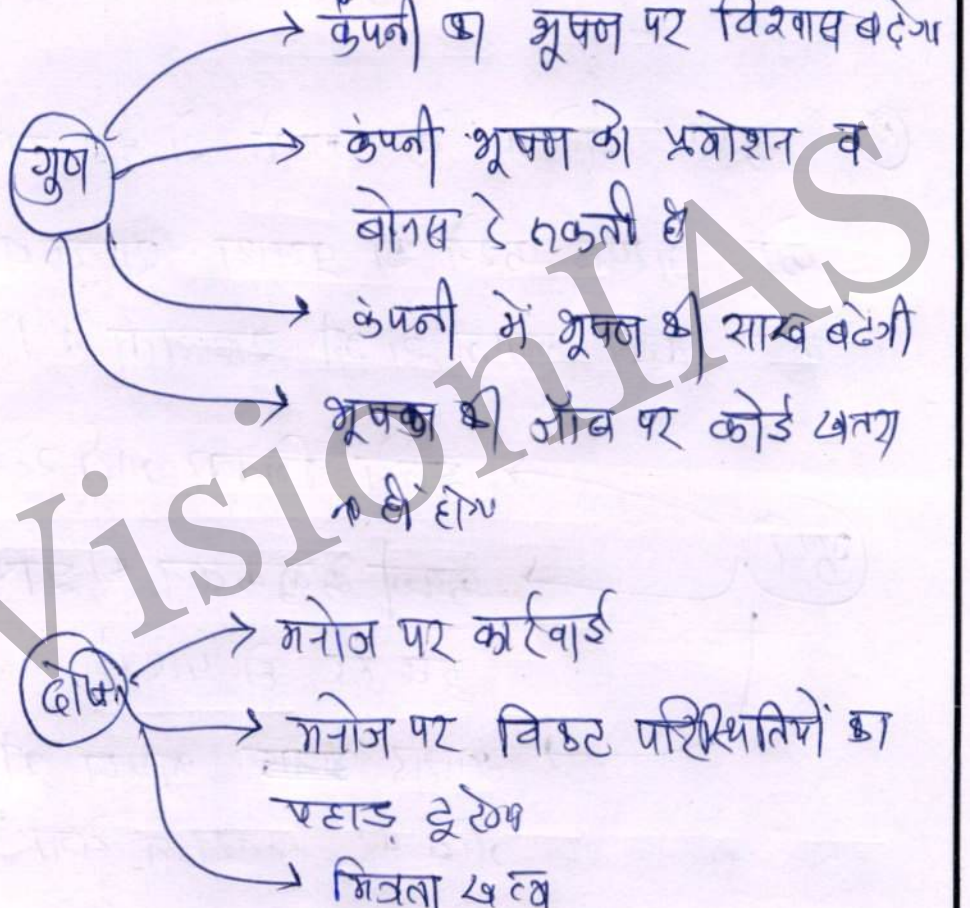

अतः भूषण को कॉर्पोरेट गवर्नेंस व कॉर्पोरेट दायित्व के अनुसार उचित प्रयास करना चाहिए कि निजी हितों के ऊपर संगठनात्मक हित हो।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. आप हिमाचल प्रदेश के एक जिले में जिला कलेक्टर के रूप में पदस्थापित हैं। यह जिला भूकंपीय क्षेत्र V के अंतर्गत आता है और मानसून के मौसम के दौरान भूस्खलन के प्रति अतिसंवेदनशील है। इस वर्ष मानसून के आगमन के बाद से राज्य में पहले ही भूस्खलन के 35 बड़े मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुने हैं। हाल ही में, आपको अपने जिले के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा के पूर्वानुमान के संबंध में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से एक एडवाइजरी प्राप्त हुई है। आपको स्पष्ट रूप से कहा गया है कि स्थानीय लोगों को उन असुरक्षित घरों से हटा दें जिनमें दरारें आ गई हैं और ढहने के प्रति संवेदनशील हैं। हालांकि, आपको उन स्थानीय निवासियों के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है जो अपनी अनुपस्थिति में अपनी संपत्तियों की होने वाली क्षति के भय से अपने घरों को छोड़ने से डर रहे हैं। स्थानीय विपक्षी नेता भी इस संवेदनशील क्षेत्र में गैर-योजनाबद्ध और बेतरतीब निर्माण को नियंत्रित करने में विफलता का हवाला देते हुए जिला प्रशासन पर दबाव बना रहे हैं। इसके अलावा, आप पाते हैं कि इन क्षेत्रों में हिमाचल प्रदेश टाउन एंड कंट्री प्लानिंग एक्ट, 1977 के उपबन्धों का उल्लंघन करते हुए कई होटल और रिसॉर्ट्स का गैर-योजनाबद्ध तरीके से निर्माण किया गया है। यह गैर-योजनाबद्ध निर्माण पर्यावरण विशेषज्ञों और हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की कई चेतावनियों के बावजूद किया गया है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त प्रकरण में आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का उल्लेख कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

You are posted as a District Collector in one of the districts of Himachal Pradesh. The district comes under Seismic Zone V and is susceptible to landslides during monsoon season. The state has already recorded 35 major landslides since the onset of monsoon this year, which is twice as compared to the previous year. Recently, you got an advisory from the State Disaster Management Authority regarding prediction of heavy rainfall in some areas of your district. You have been categorically told to evacuate local people from unsafe houses that have developed cracks and are vulnerable to sinking. However, you face stiff resistance from local residents who are apprehensive to leave their houses fearing damage to their properties in their absence. The local opposition leader is also putting pressure on the district administration citing its failure in controlling unplanned and haphazard construction in this sensitive area. Moreover, you find that there have been many unplanned construction of hotels and resorts in these areas flouting the Himachal Pradesh Town and Country Planning Act, 1977. This is despite several warnings by environmental experts and the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) Mention the course of action that you will take in above case. (Answer in 250 words)20

इस केस स्टडी में सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण, तटस्थता, कर्मठता, कर्मण्यता तथा प्रतिबद्धता व सुभेद्य वर्गों के प्रति संवेदनशीलता

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के साथ सामाजिक सामर्थ्य (Social Competence) की अपेक्षा है।

(4) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

1. प्रतिबद्धता बनाम करुणा
2. सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण बनाम आम जनता का विरोध
3. अवैध निर्माण के मुद्दे पर आमजन को जवाब
4. स्थानीय नेताओं का सहयोग न मिल पाना
5. SDRF के साथ तात्कालिक सहयोग करना

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) उचित व सुरक्षित स्थानों पर विस्थापन के साथ उनकी संपदा की सुरक्षा

(d) कानून का शासन के साथ जनता की भावनाएँ

उपयुक्त प्रकरण में मेरे द्वारा की जाने वाली कार्रवाई

(1) सर्वप्रथम भूकंप जोन V में होने की गंभीरता को लोगों को समझाना। इससे लोगों को वास्तविक गंभीरता का अहसास होगा तथा वे शायद विस्थापित होने के लिए तैयार हो जाएँ।

(2) स्थानीय नेताओं को विश्वास में लेना - स्थानीय नेताओं पर स्थानीय आबादी का विश्वास होता है। स्थानीय नेताओं को तार्किक आधार पर Persuade करना कि यह समय विरोध का नहीं जीवन की क्षति को कम करना

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हमारी प्राथमिकता है।

(3) वास्तविकता बताना कि जिस अवैध निर्माण की वजह से स्थानीय आबादी को कष्ट हो रहा है उसका तत्काल समाधान विस्थापन ही है और इस अवैध निर्माण को राज्य के दिए निर्देशानुसार अतिशीघ्र ध्वस्त किया जाएगा।

(4) राज्य आपदा प्रबंधन की गाइडलाइन के अनुसार कार्यवाही करना जिसमें

(a) पुनर्वास व विस्थापन के लिए सुरक्षित जगह

(b) वहाँ अत्यावश्यक व मूलभूत सुविधाओं यथा - चिकित्सा, स्वच्छ जल, ODF व भोजन, आवास (अल्पकालिक) की उपलब्धता सुनिश्चित करना

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) लोगों में पैनिक सिचुएशन को रोकने के लिए यथासंभव संवेदनशील प्रशासनिक मशीनरी की व्यवस्था करना

(d) लोगों की संपदा की रक्षा करने का दायित्व प्रशासन द्वारा लेने का प्रयास करना व उचित मुआवजे की व्यवस्था का आश्वासन देना।

अतः 'वर्क प्रायोरिटी' के साथ जनहानि को रोकना पहली प्राथमिकता होगी साथ ही अवैध निर्माण को भविष्य में रोकना व वर्तमान के निर्माण को ध्वस्त करने का कार्य नियमानुसार किया जाएगा ताकि भविष्य में स्थानीय सुभेद्यता को कम किया जा सके।

VisionIAS

10. आरिफ़ एक लोक सेवक है जिसने विभिन्न राज्य लोक सेवा विभागों में कार्य किया है। वह एक क्वालिफाइड चार्टर्ड अकाउंटेंट भी है। अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के दौरान, जिसमें मुख्य रूप से मौद्रिक और बजट संबंधी कार्य शामिल हैं, आरिफ को पता चलता है कि सार्वजनिक निधियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है।

हालांकि वह बजट के इस पहलू के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं है, लेकिन उसने बजट की एक मद से दूसरी मद में निधियों के स्थानांतरण के बारे में अपनी चिंताओं को अपने वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया। आरिफ़ को पता चलता है कि न केवल उसके वरिष्ठ अधिकारी को इस कार्य-प्रणाली के बारे में पता है बल्कि वह इसे नज़रअंदाज भी करता रहा है।

बाद में, आरिफ को इस मुद्दे पर अपने वरिष्ठ और विभाग के प्रमुख से बात करने के लिए बुलाया जाता है। आरिफ़ मीटिंग के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करता है जो प्रमुख मुद्दों के बारे में उसकी समझ को रेखांकित करती है तथा इसे अपने वरिष्ठों के सामने प्रस्तुत करता है।
वरिष्ठों ने आरिफ़ को सूचित किया कि निधियों को कम प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा, मुद्दे की राजनीतिक रूप से संवेदनशील प्रकृति के कारण, आरिफ़ से कहा जाता है कि यह मामला उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है और इसलिए उसे इससे बाहर रहना चाहिए।

आरिफ को दी गई सलाह इस तथ्य पर आधारित है कि मौजूदा सरकार अपनी बजटिंग प्रथाओं के बारे में उठाए जा रहे प्रश्नों पर सहज नहीं होगी और यदि मामला सार्वजनिक हुआ तो चुनावों में उसकी हार भी हो सकती है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) आरिफ के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?

(c) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, नौकरशाही के राजनीतिकरण की समस्या के समाधान के लिए उपाय सुझाइए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Arif is a public servant who has worked in different state public service departments. He is also a qualified chartered accountant. In the course of performing his duties, involving primarily monetary and budgeting issues, Arif becomes aware that public funds are being misdirected.

While he is not directly responsible for this aspect of the budget, he raised his concerns about the channeling of funds from one head of the budget to another to his senior. Arif learns that not only is his senior aware of this practice but he also condones it.

Later, Arif is summoned to talk to his senior and Head of the Department about the issue. Arif prepares a detailed report for the meeting that highlights his understanding of the key issues and presents it to his seniors.

The seniors inform Arif that the funds have been diverted from low priority areas to high priority areas. Further, due to the politically sensitive nature of the issue, Arif is told that the matter is not within his jurisdiction and therefore, he should stay out of it.

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

The advice given to Arif is based on the fact that the incumbent government will not be comfortable on questions being raised about its budgeting practices and it might also lead to electoral setback if the matter were to be made public.

(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) Evaluate the options available to Arif. What option should he choose and why?

(c) In the light of the above case, suggest measures to address the problem of politicization of bureaucracy. (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी में आरिफ से निष्पक्षता, तथ्यों के आधार पर निर्णय के साथ सार्वजनिक संसाधनों के ट्रस्टी के रूप में व्यवसाय, पारदर्शिता, प्रतिबद्धता, साहस, ईमानदारी व सत्यनिष्ठा जैसे मूल्य अपेक्षित है।

(a) उपयुक्त प्रकरण में नैतिक मुद्दे

(1) आरिफ को वरिष्ठों की नसीहत जो उसकी ईमानदारी के खिलाफ है।

(2) आरिफ की अन्तरात्मा की आवाज़ जो उसे विसलब्लोईंग के लिए प्रेरित करती है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ आरिफ की नैतिकता और उसे भ्रष्टाचार के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध बनाती है

④ आरिफ द्वारा वरिष्ठों के निर्णय की अवहेलना के बाद निर्णय लिये जाने पर उस पर कोई अवैध कार्रवाई हो सकती है

⑤ आरिफ का अन्तर्द्वन्द्व - सत्यनिष्ठा बनाम जॉब की प्राथमिकता।

④ आरिफ के समक्ष उपलब्ध विकल्प

① वह यथास्थितिवादिता से इस अनियमितता को छोड़ दे

गुण:
- → उसकी कोई हानि नहीं
- → वरिष्ठों का स्नेह
- → आरिफ को प्रमोशन जल्दी मिल सकता है

दोष:
- → ईमानदारी से समझौता
- → अपने मूल्यों के खिलाफ

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② वह इस अनियमितता को पब्लिक में सूचित कर दें एवं परिणाम के लिए तैयार रहे।

गुण
→ इससे वित्तीय अनियमितता उजागर होगी
→ सरकार की जवाबदेही तय होगी
→ शायद भ्रष्ट प्रथाएँ कम हो

दोष → आरिफ की जॉब जा सकती है

③ आरिफ आंतरिक स्रोतों के माध्यम से अनामिता के साथ इस सूचना को जिम्मेदार न्यूज एजेंसी या सतर्कता विभाग दें

गुण
→ इससे आरिफ पर कोई संकट नहीं
→ सरकार की जवाबदेही
→ प्रशासन की दक्षता ↑
→ आरिफ की अन्तरात्मा संतुष्ट

दोष
→ अनामिता भंग हुई तो आरिफ की जॉब जा सकती है
→ हो सकता वरिष्ठ बॉस के आधार पर उसके साथ अच्छा व्यवहार न हो

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आदि के विकल्प - ③ अपनाना चाहिए जो उसके लिए युक्तिसंगत प्रतीत होता है।

नौकरशाही के राजनीतिकरण की समस्या : समाधान

① 2nd ARC ④ स्पष्ट नैतिक संहिता का निर्माण
⑤ न्यूनतम तीन वर्ष तक एक पद पर कार्यकाल
⑥ स्थानांतरण का उचित कारण

② होता समिति – राजनीतिक तटस्थता के लिए राजनेताओं का उत्तरदायित्व निर्धारित हो

③ राजनीतिज्ञों के लिए भी नैतिक संहिता हो

④ सिविल सेवा की तटस्थता के महत्व को रेखांकित किया जाए

अतः नौकरशाही की राजनीतिक तटस्थता, सरलता, प्रतिबद्धता, ईमानदारी की सुशासन की आधारशिला है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. आप हाल ही में लोक निर्माण विभाग (PWD) में एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। आपको एक ऐसी निर्माणाधीन अस्पताल परियोजना का प्रभारी बनाया गया है, जिसे आपके कार्यभार संभालने से पहले ही मंजूरी मिल गई थी। निरीक्षण करने पर, आपको पता चलता है कि निर्माण घटिया गुणवत्ता का है और यदि इसे वर्तमान स्थिति में ही पूर्ण किया जाता है, तो यह इमारत ढह सकती है, जिससे जीवन और सार्वजनिक धन की क्षति होगी।

इस मुद्दे को अपने वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाने पर, आपको चारों ओर से अत्यधिक दबाव का सामना करना पड़ता है। आपको बताया जाता है कि यह परियोजना न केवल जिले और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्यावश्यक है, बल्कि सत्तारूढ़ दल द्वारा किया गया एक चुनावी वादा भी है। इसके अलावा, चुनाव नजदीक हैं और आप पर परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने का भी भारी दबाव है। हालांकि, आप यह पाते हैं कि संरचनात्मक समस्याओं को दूर करना ही एकमात्र व्यवहार्य विकल्प है लेकिन इससे परियोजना के पूर्ण होने में काफी देरी होगी।

(a) दी गई स्थिति में आपके द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) PWD अधिकारी के रूप में आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As a recently appointed senior officer in the Public Works Department (PWD), you are in charge of an under-construction hospital project that received clearance prior to your tenure. On inspection, you find out that the construction is of substandard quality and if completed in the present state, the building may collapse leading to loss of life and public money.

On bringing the issue to the notice of your seniors, you begin to face intense pressure from multiple quarters. You have been conveyed that the project is not only crucial for providing tertiary health services to the people of the district and adjoining areas, but is also a poll promise of the ruling party. Further, elections are around the corner and there is intense pressure on you to complete the project at the earliest. However, you realise that rectifying the structural issues is the only viable option but this will significantly delay the completion of the project.

(a) Identify the ethical issues faced by you in the given situation.

(b) Evaluate the options available to you.

(c) What course of action would you adopt as the PWD officer and why? (Answer in 250 words) 20

~~उत्तर~~ इस प्रकरण में मुझसे लोक सेवा के प्रति समर्पण, ईमानदारी, कार्यकुशलता, प्रतिबद्धता, सार्वजनिक संसाधनों का नियोजन व उचित व्यय, ईमानदारी जैसे मूल्य अपेक्षित हो

VisionIAS

मेरे द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दे:-

① वरिष्ठों की बात मानने पर जनहानि का भय

② इमारत टूट गई तो भविष्य में मेरे ऊपर कार्रवाई होगी

③ राजनीतिक महत्वकांक्षा के आधार पर निर्णय लूं या अंतरात्मा के आधार पर

④ जवाबदेहिता के समय वरिष्ठों को कोई यथासंभव नुकसान नहीं होगा

⑤ वरिष्ठों को अनियमितता के बारे में जानकारी होने का लिखित साक्ष्य लूँ या उनकी बात ही मान लूँ

⑥ ईमानदारी के मूल्य को पोषित करूँ या मैं भ्रष्ट सिस्टम का हिस्सा बन जाऊँ

⑦ सार्वजनिक हित बनाम राजनीतिक हित

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) मेरे लिए उपलब्ध विकल्प

(i) चुपचाप निर्माण कार्य होने दूँ

गुण
- → इससे समय पर कार्य पूर्ण
- → वरिष्ठों की नाराजगी नहीं
- → चुनाव पूर्व अस्पताल तैयार
- → बनने के कुछ बाद ढहने की संभावना कम

दोष
- → लोकसेवा मूल्यों के खिलाफ
- → सत्यनिष्ठा से समझौता
- → भविष्य में कार्रवाई होगी

(ii) निर्माण कार्य को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करूँ व अतिरिक्त श्रम की व्यवस्था की

गुण
- → इससे निर्माण कार्य समय पर पूरा हो सकता है
- → शायद अस्पताल मजबूत हो जाए
- → वरिष्ठों की नाराजगी न हो

VisionIAS

दोष
→ भवन भविष्य में गिर सकता है
→ भविष्य में कार्रवाई व बदनामी
→ सजा की चिंता

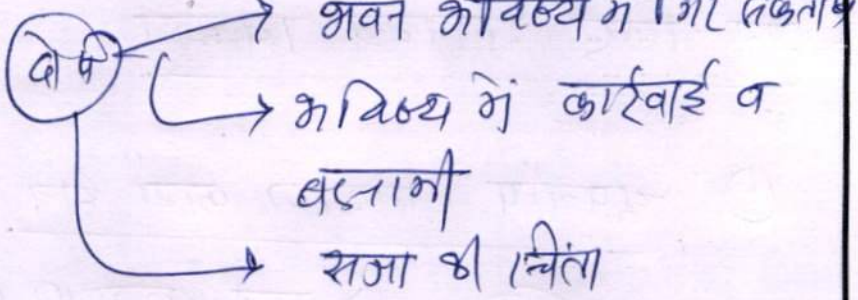

(c) मैं अस्पताल परियोजना के संदर्भ में विभाग की तरफ से प्रेस नोट के माध्यम से अनियमितता को उजागर करूँ कि परियोजना की मंजूरी मेरे पदग्रहण से पहले हो गई थी और इस परियोजना में घटिया निर्माण प्रक्रिया के कारण भविष्य में जल्द ही क्षतिग्रस्त होने की संभावना है।

गुण
→ इससे जनहानि रोकी जा सकती है
→ लोक सेवक का दायित्व
→ कर्मठता + साहस
→ कोई अन्त द्वंद्व नहीं

दोष
→ चुनाव में पार्टी को नुकसान
→ वरिष्ठों की नाराजगी

VisionIAS

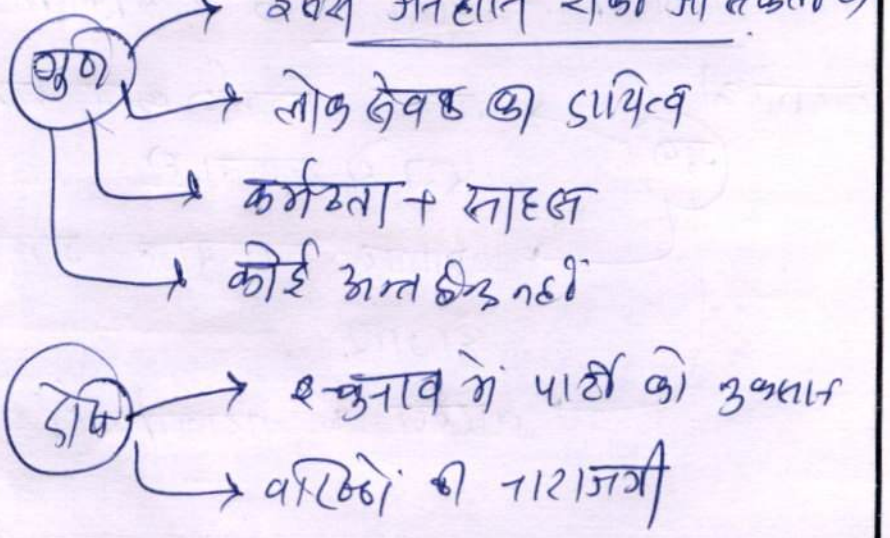

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) PWD अधिकारी के रूप में मेरी कार्रवाई --

मैं परियोजना से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं को पब्लिक डोमेन में लाऊँगा और पड़ोस कर्तव्य के अनुसार विनिर्माण में विसंगतियों को उजागर करूँगा।

क्योंकि:

(1) लोक सेवक का मूल्य - ईमानदारी, सत्यनिष्ठा

(2) राजनीतिक हित के बजाय जन कल्याण

(3) लोक सेवा की कल्याणकारी राज्य के निर्माण में भूमिका

(4) किसी भी प्रकार के भ्रष्ट आचरण का समर्थन न करना मेरा दायित्व है

अतः सत्यनिष्ठा, ईमानदारी व साहस के साथ सार्वजनिक सेवा की भावना ही लोकसेवक की कार्यशैली का आधार होने चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. फ्यूचरटेक इंक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग (ML) के क्षेत्र में एक नवप्रवर्तनशील कंपनी के रूप में उभरा है। एक अत्यधिक समृद्ध निवेशक द्वारा की गई उनकी हालिया फंडिंग, निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए नए क्लाइंट के साथ तेजी से सहयोग करने की एक शर्त पर आधारित है।

पराग इस फ्यूचरटेक के महत्वाकांक्षी प्रयासों के केंद्र में हैं, जो AI से संबंधित जटिल पहलों को संचालित करने के व्यापक अनुभव वाला एक प्रोजेक्ट मैनेजर है। पराग के नवीनतम प्रोजेक्ट में एक ऐसे अत्याधुनिक AI सॉफ्टवेयर का विकास शामिल है, जो किसी कैंडिडेट की कंपनी के भीतर सफलता प्राप्त करने की क्षमता का सटीक अनुमान लगाकर नियुक्ति प्रक्रिया में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने का वादा करता है। यह सॉफ़्टवेयर न केवल फ़्यूचरटेक की परिचालन दक्षता को बढ़ा सकता है, बल्कि एक सफल रोलआउट को देखते हुए, पराग को संभावित रूप से एक लाभप्रद पदोन्नति के लिए भी तैयार कर सकता है।

हालांकि, सॉफ़्टवेयर के प्रारंभिक परीक्षणों से एक चिंताजनक पैटर्न - एल्गोरिदम की निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में एक अंतर्निहित पूर्वाग्रह, जो एक विशेष जनसांख्यिकीय वाले कैंडिडेट्स का पक्ष लेता है, का पता चलता है। यह AI सॉफ़्टवेयर ऐतिहासिक डेटा के आधार पर, अनजाने में मौजूदा पूर्वाग्रहों को क़ायम रख रहा है। यह खोज विशेष रूप से पराग के लिए समस्या उत्पन्न करने वाली है क्योंकि यह न केवल उसके एल्गोरिदम की निष्पक्षता और प्रभावशीलता पर प्रश्न उठाती है बल्कि उस समावेशी संस्कृति को भी खतरे में डालती है जिसे फ्यूचरटेक बनाए रखना चाहता है।

जैसे ही पराग इस पूर्वाग्रह के निहितार्थों पर विचार करना शुरू करता है, कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर उत्पन्न होता है। एक प्रमुख क्लाइंट ने फ्यूचरटेक के AI सॉफ़्टवेयर को अपने काम-काज में इस्तेमाल करने का इरादा व्यक्त किया है। यह कदम न केवल निवेशक के हित में होगा बल्कि फ्यूचरटेक के वित्तीय भविष्य को भी सुरक्षित करेगा। पराग के वरिष्ठ द्वारा कंपनी के बेहतर हित और संभावित रूप से उसके करियर में उन्नति के लिए सॉफ्टवेयर के पक्षपाती पैटर्न को अस्थायी रूप से नजरअंदाज करने का दबाव डाला जाता है, जिससे पराग स्वयं को एक दुविधा में पाता है।

(a) प्रदत्त प्रकरण में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में पराग के लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) उसके द्वारा क्या कार्रवाई की जानी चाहिए? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

FutureTech Inc. has emerged as an innovative force within the Artificial Intelligence (AI) and Machine Learning (ML) landscape. Their recent influx of funding from a deep-pocketed investor is contingent upon a critical condition - rapid collaboration with new clients for their products and services within a stipulated timeframe.

At the centre of FutureTech's ambitious endeavours is Parag, a project manager with a wealth of experience in steering complex AI initiatives. Parag's latest project involves the development of state-of-the-art AI software, which promises to revolutionize the hiring process by accurately predicting a candidate's potential for success within the company. This software could not only enhance FutureTech's operational efficiency but also potentially position Parag for a lucrative promotion, given a successful rollout.

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

However, the initial trials of the software reveal an alarming pattern - an inherent bias in the algorithm's decision-making process, favouring candidates from a particular demographic. The AI system, in learning from historical data, is unintentionally perpetuating existing biases. This discovery is particularly troubling to Parag as it not only questions the fairness and effectiveness of his algorithm but also jeopardizes the inclusive culture that FutureTech purports to uphold.

As Parag contemplates the implications of this bias, a significant opportunity arises for the company. A major client expresses intent to deploy FutureTech's AI software across its operations. This move would not only fulfil the investor's mandate but also secure FutureTech's financial future. Parag finds himself at a crossroads, pressured by his senior to temporarily ignore the software's discriminatory leanings for the greater good of the company and potentially, his career advancement.

(a) What are the ethical issues involved in the given case?

(b) Evaluate the various options available to Parag as the project manager in the company.

(c) What should be his course of action? (Answer in 250 words) 20

इस केस स्टडी में पराग से समावेशिता, मानवीय गरिमा का सम्मान, निष्पक्षता, अवसरों की समता जैसे मूल्य अपेक्षित है।

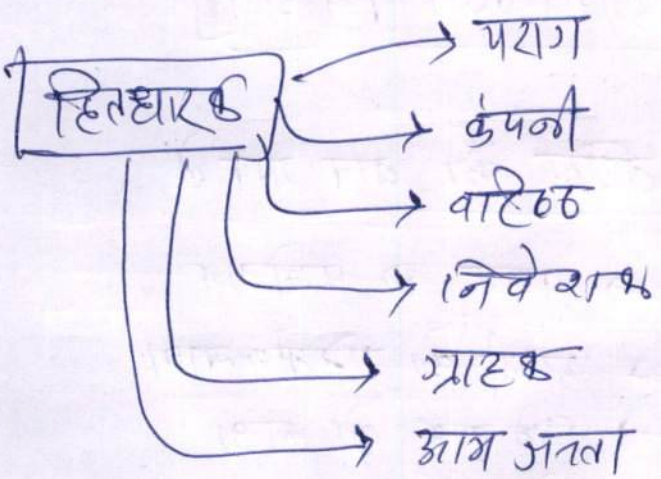

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

(1) समानता बनाम वित्तीय लाभ
(2) मानवीय गरिमा के समक्ष सांगठनिक हित
(3) अपनी अन्तरात्मा की सुने या बरिष्ठ की
(4) अपने हित को तवज्जो दे या व्यापक जन हित को
(5) कंपनी के भविष्य के विकास व साख पर बल दें या तात्कालिक हितों पर
(6) शेयर होल्डर्स की सोचें या स्टेक होल्डर्स की

(b) पराग के लिए उपलब्ध विकल्प

(a) पराग बरिष्ठ की बात मान लें

गुण → पराग का प्रमोशन
→ कंपनी को वित्तीय लाभ
→ निवेशक को लाभ
→ बरिष्ठ खुश

VisionIAS

दोष
→ पराग में अन्तर्द्वन्द्व उत्पन्न होगा
→ मानवीय गरिमा की ताक पर स्वयं प्रगति चिंता व तनाव पैदा करेगी
→ भविष्य में कंपनी पर जन विश्वास कमजोर होगा।

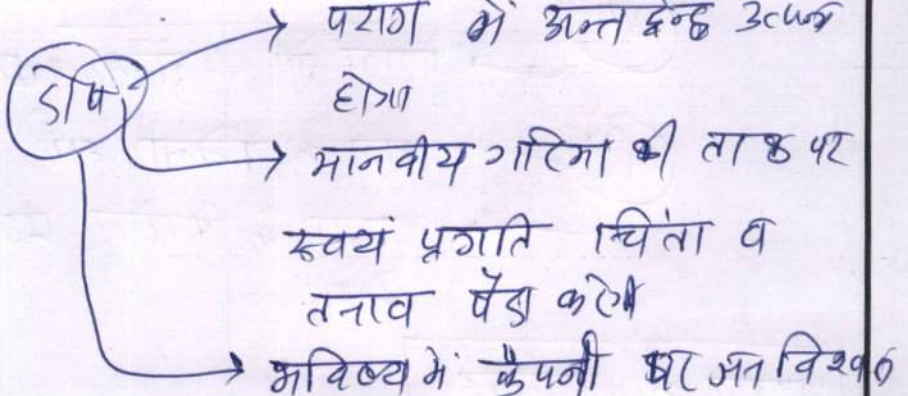

(b) पराग सॉफ्टवेयर के पूर्वाग्रह को ठीक करने का प्रयास करें तथा पूर्वाग्रह रहित कार्यप्रणाली अपनाएं

लाभ
→ पराग में आत्मसंघर्ष नहीं
→ पराग संतुष्टि का
→ मानवीय गरिमा का सम्मान

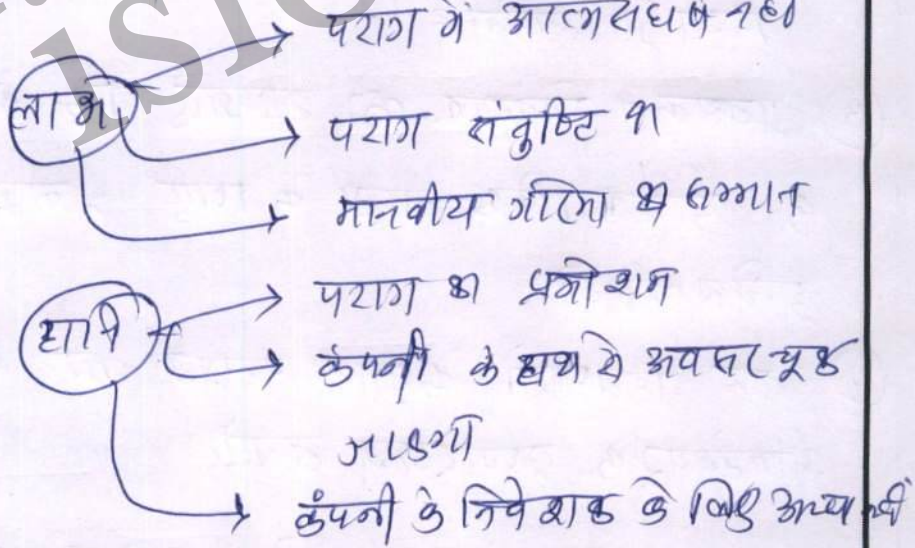

हानि
→ पराग का प्रगोशन
→ कंपनी के हाथ से अवसर छूट जाएगा
→ कंपनी के निवेशक के लिए अच्छा नहीं

(c) पराग ऐसे सॉफ्टवेयर के तयसमय सीमा में रहीन होने के कारण उसे रद्द करे और पद त्याग करे दें।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गुण → पराग में आत्मसंघर्ष नहीं होगा
→ पराग में संतुष्टि बढ़ेगी

हानि → पराग को वित्तीय हानि
→ पराग के कैरियर प्रभावित होगा।

पराग की कार्रवाई

(1) वह अपने विवेक से सॉफ्टवेयर के प्रकाशन को निश्चित समय सीमा में ठीक करने का प्रयास करे।

(2) ग्राहक को कुछ अतिरिक्त छूटों का वक्त दिया जा सकता है।

(3) प्रबंधक व निवेशक को समझाएँ कि कंपनी के दीर्घकालिक लाभ के लिए प्रकाशन उचित नहीं है।

(4) वह हितधारकों के साथ परामर्श कर इस प्रकाशन सॉफ्टवेयर के दुष्परिणाम बताएँ

अतः 'तकनीक का उपयोग साधन के रूप हो और मानवता हमेशा साध्य बनी रहे' यही प्रयास पराग को आत्मसंघर्ष व आत्मा के संकट से बचा सकेगा।

VisionIAS